

साठ अभिलेख संख्या ५६२  
साठ अभिलेख संख्या ५६२  
कुरुक्षेत्र

# आदेश पत्रक

(देखें अभिलेख हस्तक 1941 का नियम 129)

आदेश पत्रक - ता०

से

तक

जिला

गढ़पा

सं०

१०७

सन २०.१२-१३

केस का प्रकार CNT Act के तहत आदिवासी की भूमि विक्री हेतु परमीशन

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख सहित
१	२	३

१०.११.१२

आवेदक शमकेश सिंह पिंडा इवठ जिला सिंह जाति इवरबाड़ साठ अभिलेख संख्या ५६२ के बाना कुरुक्षेत्र के आवेदन पत्र देकर निम्नांकित भूमि विक्री करने हेतु अद्वितीय की मांग की है।

भूमि का विवरण

ग्राम	स्थान नं०	ट्लौटन०	स्थान चौहड़ी
अभिलेख संख्या	२०	१०/३४८	०.२०½ एकड़ी
			उत्तर निम्न विक्री के लिए उत्तर निम्न विक्री के लिए पूरा तेज़ प्रजापति
			पूरा तेज़ प्रजापति
			पूरा निम्न केता
			पूरा निम्न केता

साठ वीस डॅठ आम्हा।

अतः अंचल अधिकारी कुरुक्षेत्र के जोँस प्रतिवेदन की मांग दिनांक ३०.११.१३ तक करें।

उप समावृत्ति विक्री  
निःश उद्यमी

पी

दक्षिणांक

१०

दाता

मुमि

आवेदनपत्र

वासी

व अंचल

की अति

ग्रामिक

31-7-13.

2

3

अभिषेक उपस्थापित। अंचल अधिकारी  
धुरकी के पत्रोंक दिनांक से जैव  
प्रतिवेदन प्राप्त हुआ है जिसका अवलोकन किया  
जाय प्रतिवेदन में प्रतिवेदित किया गया है कि  
केवल एवं विकेता दोनों द्वाक द्वीजति के  
एवं एक द्वीजति के ऐपत्र हैं। जिमा-  
नी द्वारा से आवेदक का पिता-पुत्र डा सम्बन्ध  
है। आवेदक द्वारा कुल वारित श्रमि डा  
3-38½ रुकड़ एवं प्रस्तावित श्रमि विक्री  
के प्रश्नात रुकड़ 3-18 रुकड़ वर्चती है।  
अंचल अधिकारी द्वारा प्रस्तावित श्रमि  
विक्री करने की अनुशंसा की गई है।  
आवेदक विकेता द्वारा व्यान पत्र दिया  
गया है कि ऐ. किसी के द्वाव प्रा वहचन  
में नहीं आकर इष्टदा से अपनी द्वीज  
की विक्री आवश्यक कार्य होने कर रहा है।

अतः अंचल अधिकारी, धुरकी  
के अनुशंसा के आलोक में एवं व्यान  
पत्र से अनुसार निम्नांकित श्रमि को  
आवेदक रामकेश सिंह पिता स्वीकृत,  
सिल ३०+पै० ० अम्बारेन्द्रा वाना धुरकी को  
निम्नांकित श्रमि केरा वन्द्रमणी देवी पारी  
श्रमि सिल ३०+पै० ० अम्बारेन्द्रा वाना धुरकी  
के हाथों विक्री करने की अती है।

### श्रमि का विषय

ग्राम	खाता	लौट	रुकड़
अम्बारेन्द्रा - २०	७०/३४८	०-२०½ रु	

आवेदक एवं अवर निवेदक पदाधिकारी  
नगर उन्नारी का सुवित करें।  
लेरवा/पिता/संभालन

उप समाप्ति असु०  
नगर उन्नारी

उप समाप्ति असु०  
नगर उन्नारी